भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

महाराष्ट्र MAHARASHTRA © 2023 ©

77AA 607708

मुद्रांक विकत घेणाऱ्याचे नांव :- प्रा. राधाबाई महिला कॉलेज

दुसऱ्या पक्षकाराचे नांव :- शिवाजी वि. प्रा. प.

हस्ते असल्यास त्याचे नाव व पत्ता :-

पु.वि.नोंदवही अ.नं. ---- दि. /20

11 JAN 2024

जिल्हा कोषागार कार्यालय अहमदनगर

पु.दिनांक

09 JAN 2024

मु.प्र.लि.

एस. एस. गांधी, सावेडी, अहमदनगर

परवाना क्र.लायसन्स नं.२/९७/२७०२-११/९७

ज्या कारणासाठी ज्यांनी मुद्रांक खरेदी केला त्यांनी त्याच कारणास

मुद्रांक खरेदी केल्यापासून ६ महिन्यात वापरणे बंधनकारक आहे.

समन्वय अनुबंध

(सामंजस्य करार)

(MEMORANDUM OF UNDERSTANDING)

शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद,

विमल निवास, प्लॉट नं. 13 त्रिमूर्ति कॉलनी, सांगली.

(पंजीकरण-महाराष्ट्र / 433/14)

और

रयत शिक्षण संस्था का राधाबाई काळे महिला महाविद्यालय,अहमदनगर पिन.414001

Scanned with CamScanner

भारत जैसे विशाल और बहुभाषी राष्ट्र को अपनी अस्मिता, राष्ट्रीय एकता तथा अंतप्रांतीय व्यवहार के लिए राष्ट्रभाषा की नितांत आवश्यकता है। सैकडों वर्षों से हिंदी यह कार्य करती आयी है। 'शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद, सांगली' यह संस्था महाराष्ट्र में राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार करनेवाली एक समाजसेवी परिषद है। इस परिषद द्वारा वार्षिक अधिवेशन, राष्ट्रीय संगोष्ठी, पुनर्रचित पाठ्यक्रम संबंधी कार्यशाला आदि के संयोजन के लिए बौद्धिक सहयोग दिया जाता है। भविष्य में विभिन्न प्रकार की व्याख्यानमालाएँ, संमेलन, परिसंवाद, साप्ताहिक कोर्स, वक्तृत्व, लेखन, पठन, मंचन आदि प्रतियोगिताओ के आयोजन का भी मानस है।

संक्षेप में 'शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद' राष्ट्रीय, सांस्कृतिक, साहित्यिक, शैक्षिक कार्यप्रवृत्तियों का संचालन करनेवाली तथा राष्ट्रीय एकात्मता को बढ़ावा देने का सराहनीय कार्य कर रही है। यह परिषद 'हिंदी है हम' इस नारे को जनमानस पर अंकित कर रही है।

अतः 'शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद, सांगली' और रयत शिक्षण संस्था का राधाबाई काळे महिला महाविद्यालय,अहमदनगर के बीच शुक्रवार दि. 12 जनवरी, 2024 को पांच वर्षों (सन. 2023 से 2029) तक के लिए समन्वय (सामंजस्य करार) संपन्न हो रहा है। इस अनुबंध का उद्देश्य निम्ननुसार स्पष्ट है।

क) नीति :

1. हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति का संवर्धन करना | राष्ट्रभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करना, जिससे राष्ट्रभाषा का स्वरूप सर्वग्राह्य बन सके |
2. राष्ट्रभाषा हिंदी का विकास देश की अन्य प्रादेशिक भाषाओं के संपर्क और उनके विकास के साथ संपंन्न होता रहे।
3. अहिंदी भाषी क्षेत्र में हिंदी को प्रचारित प्रसारित कर राष्ट्रभाषा के महत्व को स्थापित करना |
4. अन्य प्रदेशो में प्रादेशिक भाषाओं का स्थान और सम्मान बना रहे तथा अंतप्रांतीय व्यवहार के लिए राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रयोग हो |
5. राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रयोग द्वारा राष्ट्रीय एकात्मता निर्माण हो |

ख) उद्देश्य :

1. राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार करना तथा भारतीय संविधान के 17 वे भाग के 343 वी धारा में निर्देशित राजभाषा हिंदी और उसकी लिपि देवनागरी के प्रचार और विकास में सहायता प्रदान करना
2. राजभाषा हिंदी की पढाई का प्रावधान करना।
3. हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति का संवर्धन करना |
4. भारत में प्रचलित सभी भाषाओं, विशेष रूप से मराठी भाषा के द्वारा हिंदी के विकास में सहायता

Scanned with CamScanner

प्रदान करने का प्रयास करना, मराठी तथा भारत में प्रचलित सभी भाषाओं का हिंदी के साथ पारस्परिक संबंध दृढ करने के लिए मराठी आदि भाषाओं की पढाई का प्रावधान करना | उसके माध्यम से सभी पोषक प्रवृत्तियों को चलाना तथा राष्ट्रीय एकात्मता को पुष्ट करना |

ग) कार्यक्रम:

1. 14 सितम्बर हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान एवं विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन |
2. राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन |
3. हिंदी साहित्य कार्यशाला का आयोजन |
4. 10 जनवरी विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान का आयोजन |

घ) नियम :

1. स्वआर्थिकता से एक-दूसरे को सहयोग देना।
2. समन्वय अनुबंध की बातो का आवश्यकतानुसार नूतनीकरण करना |
3. पूर्व लिखित सूचना के साथ दोनों में से किसी भी संस्था को अनुबंध समाप्ति का अधिकार रहेगा।
4. परस्पर संमति से निर्धारित कालावधी के बाद फिर से पांच वर्षों के लिए यह समन्वय अनुबंध नियमित जारी रखा जा सकता है। इसके लिए निश्चित तारीख तथा लिखित अनुमति की आवश्यकता रहेगी।

च) समन्वय :

1. प्रस्तुत समन्वय अनुबंध के जिम्मेदार 'शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद के अध्यक्ष/सचिव तथा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य तथा विभाग प्रमुख रहेंगे।
2. प्रस्तुत समन्वय अनुबंध कानूनन प्रावधानों के साथ दो प्रतियों में कार्यान्वित हो रहा है।

उपर्युक्त दिनांक और वर्षनुसार प्रस्तुत समन्वय अनुबंध पर निम्नांकित समन्वयक अधिकारियो के हस्ताक्षर से अमल हो रहा है।

प्रा. डॉ भूमेंद्र सर्जेराव निकाळजे
अध्यक्ष, हिंदी विभाग
राधाबाई काळे महिला
महाविद्यालय, अहमदनगर

डॉ. सुनिल बापू बनसोडे
अध्यक्ष
शिवाजी विद्यापीठ हिंदी
प्राध्यापक परिषद

डॉ. शंकर रामचंद्र थोपटे
प्रधानाचार्य
राधाबाई काळे महिला
महाविद्यालय अहमदनगर

Scanned with CamScanner